ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 04 दिसम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 271

पृष्ठ 4

फडणवीस महाराष्ट्र के अगले CM:अजित बोले- शिंदे का पता नहीं मैं तो शपथ लूंगा; शिंदे का जवाब- दादा को सुबह-शाम शपथ लेने का अनुभव



24 न्यूज अपडेट

मुंबई.देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, NCP लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे। इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम कल 5:30 बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा। मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा- कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है। इन लोगों का शाम तक तय होगा पर मैं तो कल शपथ ले रहा हूं यह तय है। इस पर शिंदे ने कहा कि अजित दादा को दिन में और शाम को शपथ लेने का अनुभव है।

फडणवीस बोले- हम तीनों एक

देवेंद्र फडणवीस ने कहा- हम तीनों नेता एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। कौन-कौन शपथ लेगा, ये शाम तक बता दिया जाएगा। मैंने एकनाथ जी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था।

शिंदे बोले- इस बार मैं फडणवीस का नाम ले रहा हूं

एकनाथ शिंदे ने कहा- मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। पिछली बार देवेंद्र फडणवीसजी ने मेरे नाम की सिफारिश की थी। इस बार मैं उनका नाम मुख्यमंत्री के तौर पर ले रहा हूं।

शपथ समारोह में शामिल होंगे पीएम मोदी

बीजेपी नेता ने बताया, "नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह कल शाम 5.30 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होगा... हम शाम तक तय कर लेंगे कि कल कौन-कौन शपथ लेंगे. कल मैंने एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उनसे अनुरोध किया कि महायुति कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि वे इस सरकार में हमारे साथ रहें. मुझे पूरा विश्वास है कि वे हमारे साथ रहेंगे... हम महाराष्ट्र की जनता से किए गए वादों को पूरा करेंगे..."

हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे-अजित पवार

वहीं, अजित पवार ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, "...हम राज्य में सरकार चलाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे. पार्टी से जुड़ी गतिविधियों को (भाजपा प्रमुख) चंद्रशेखर बावनकुले और एनसीपी के सुनील तटकरे संभालेंगे..."

सरकार ने हजारों व्हॉट्सएप नंबर को ब्लॉक किया



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए बड़ी कार्रवाई की है और हजारों व्हॉट्सएप नंबर ब्लॉक कर दिए हैं. गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) ने डिजिटल धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 59,000 व्हॉट्सएप अकाउंट और 1,700 से अधिक स्काइप आईडी की पहचान की और इन्हें ब्लॉक कर दिया. सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में यह जानकारी साझा की

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बताया कि 2021 में I4C के तहत शुरू की गई 'नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली' साइबर अपराधियों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग को सक्षम बनाती है. उन्होंने कहा कि अब तक 9.94 लाख से अधिक शिकायतों पर की गई कार्रवाई में 3,431 करोड़ रुपये से अधिक बचाए गए. कुमार ने एक लिखित प्रश्न के जवाब में कहा, "I4C ने डिजिटल धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 1,700 से अधिक स्काइप आईडी और 59,000 व्हॉट्सएप अकाउंट की पहचान की है और उन्हें ब्लॉक किया है."

पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 15 नवंबर, 2024 तक सरकार ने 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड ब्लॉक किए गए हैं. उन्होंने बताया कि डिजिटल धोखाधड़ी सहित साइबर अपराधों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करने के लिए, केंद्र सरकार और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (TSP) ने भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉल की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक प्रणाली विकसित की है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वे भारत में ही उत्पन्न हुई हैं.

कुमार ने कहा कि हाल ही में फर्जी डिजिटल गिरफ्तारियों, फेडएक्स घोटाले और फर्जी सरकारी या पुलिस अधिकारी बनकर धोखाधड़ी के मामलों में साइबर अपराधियों द्वारा इस तरह की स्पूफ कॉल का इस्तेमाल किया गया है. टीएसपी को इस तरह की इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉल को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किए गए हैं.

इसके अलावा, I4C में अत्याधुनिक साइबर धोखाधड़ी शमन केंद्र (CFMC) बनाया गया है, जहां प्रमुख बैंकों, वित्तीय संस्थानों, भुगतान एग्रीगेटर्स, टीएसपी, आईटी मध्यस्थों और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि साइबर अपराध से निपटने में तत्काल कार्रवाई और मदद के लिए सहयोग करते हैं.

मंत्री ने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के सहयोग से 10 सितंबर, 2024 को I4C द्वारा साइबर अपराधियों की पहचान करने वालों की एक संदिग्ध रजिस्ट्री शुरू की गई है और पोर्टल cybercrime.gov.in पर एक नई सुविधा 'रिपोर्ट और संदिग्ध की जांच करें' शुरू की है.

पंजाब के पूर्व डिप्टी CM सुखबीर बादल पर फायरिंगःबाल-बाल बचे, गोल्डन टेंपल के बाहर सेवा कर रहे थे; हमलावर खालिस्तानी आतंकी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

अमृतसर. अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में बुधवार को पंजाब के पूर्व डिप्टी CM सुखबीर सिंह बादल पर खालिस्तानी आतंकी ने फायरिंग की। सुखबीर बादल गोल्डन टेंपल के गेट पर सेवादार बनकर बैठे थे। डेरा सच्चा सौदा के मुखी राम रहीम को माफी देने को लेकर सिखों की सर्वोच्च अदालत अकाल तख्त ने उन्हें यह सजा दी है। वारदात के वक्त हमलावर ने जैसे ही उन पर गोली चलाई, उसी समय सिविल वर्दी में तैनात उनके सुरक्षाकर्मियों ने उसका हाथ पकड़कर ऊपर उठा दिया। जिससे गोली गोल्डन टेंपल की दीवार पर जा लगी। इससे सुखबीर बादल बाल-बाल बच गए। इसके बाद हमलावर ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सुखबीर बादल को तुरंत सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। गोल्डन टेंपल के बाहर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कट्टरपंथी संगठन से जुड़ा रहा है आरोपी सुखबीर पर हमला करने वाला आरोपी गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक का रहने वाला नारायण सिंह चौड़ा है। वह सिख संगठन दल खालसा का मेंबर है। वारदात के बाद पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर गोल्डन टेंपल पहुंचे। उन्होंने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चौड़ा ने बयान दिया कि सुखबीर बादल पर बेअदबी और डेरा मुखी राम रहीम को माफी दिलाने के आरोप थे। इसी से हताहत होने के बाद उसने ये कदम उठाया। अकाली नेता डॉ. दलजीत चीमा ने कहा कि गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का साथी मार्केट कमेटी का चेयरमैन है। गोली चलाने वाला व्यक्ति चेयरमैन के साथी का भाई है।

104 साल का बुजुर्ग 36 साल बाद जेल से छूटाःसुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी; भाई की हत्या करने पर 1988 से जेल में थे



24 न्यूज अपडेट

पश्चिम बंगाल में 104 साल के बुजुर्ग 36 साल जेल की सजा काटने के बाद रिहा हुए हैं। 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद रसिक चंद्र मंडल मंगलवार (3 नवंबर) को मालदा करेक्शनल होम से बाहर आए। उन्हें 1988 में भाई की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। 1994 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें दोषी करार करते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

मंडल ने अपने जीवन के आखिरी दिन परिवार के साथ बिताने के लिए रिहाई की मांग की थी। जेल से बाहर निकलकर उन्होंने कहा कि वह जिंदगी के बचे हुए दिन बागवानी और पौधों का ध्यान रखने में बिताएंगे।

1988 से जेल में थे रसिक चंद्र मंडल

मालदा के रहने वाले रसिक चंद्र मंडल ने जमीनी विवाद के चलते भाई की हत्या की थी। 1988 में 68 साल की उम्र में उन्हें ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया। 1994 में ट्रायल कोर्ट ने दोषी पाते हुए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। मंडल ने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। 2018 में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

स्पेन में स्मार्टफोन पर मिलेगी तम्बाकू जैसी चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

मैड्रिड . यूरोपीय देश स्पेन में स्मार्टफोन पर जल्द ही तम्बाकू जैसी (स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है) चेतावनी देखने को मिलेगी। स्पेन की सरकार को एक्सपर्ट्स की एक कमेटी ने स्मार्टफोन के इस्तेमाल से जुड़ी सलाह दी हैं। इनमें देश में स्मार्टफोन बेचने वाली कंपनियों को फोन पर स्वास्थ्य से जुड़े खतरों को लेबल करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में देश के अंदर डॉक्टर्स से मरीजों के इलाज के दौरान उनके स्क्रीनटाइम को पूछने की सलाह भी दी है। स्पेन बच्चों के स्मार्टफोन के इस्तेमाल को कंट्रोल करने के लिए कानून बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके मसौदे के लिए एक 50 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था।

13 साल तक बच्चों को लिमिटेड एक्सेस

स्मार्टफोन के इस्तेमाल से जुड़े कानून के लिए बनाई गई कमेटी ने 13 साल तक के बच्चों के लिए डिजिटल डिवाइस के इस्तेमाल को नियंत्रित करने की सलाह दी है। 250 पन्नों की इस रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि 3 साल तक बच्चों को डिजिटल डिवाइस नहीं देना चाहिए। वहीं 6 साल तक के बच्चों को बहुत जरूरी होने पर ही ये डिवाइस दिए जाए। 6 से 12 साल के बच्चों को बिना इंटरनेट वाले फोन के इस्तेमाल की परमिशन देने के लिए कहा है। साथ ही ऐसे बच्चों को मनोरंजन के लिए खेलकूंद और बाहरी गतिविधियों की सलाह दी गई है।

ऐप्स में भी दिखेगी चेतावनी

रिपोर्ट में सोशल मीडिया ऐप्स के इस्तेमाल के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़ी चेतावनियां दिखाने के लिए कहा है। इसके लिए कमेटी ने सलाह दी है कि ऐप कंपनियां, ऐप इस्तेमाल करने से पहले या इस्तेमाल के दौरान स्क्रीन पर चेतावनी से जुड़े पॉप-अप मैसेज देंगी।

संपादकीय : अमन पर आशंका

अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सहज और शांतिपूर्ण रखने के लिए भारत ने न केवल अपनी ओर से हर स्तर पर पहल की है, बल्कि कई बार विपरीत स्थितियों में भी सकारात्मक रुख दिखाया है। मगर लंबे समय से पाकिस्तान और चीन के रवैये की वजह से सीमा पर अक्सर तनाव और टकराव के हालात पैदा होते रहे हैं और उसके लिए कौन जिम्मेदार रहा है, वह अब दुनिया जानती है बिना किसी उकसावे के चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जिस तरह की गतिविधियां चलाता है, उसे किसी भी कसौटी पर उचित नहीं कहा जा सकता। भारत कूटनीतिक स्तर पर इस मसले को अक्सर उठाता रहा है। समय-समय पर होने वाली बातचीत के याद कुछ समय तक सीमा पर शांति की स्थिति दिखती है, मगर फिर चीन की ओर से कोई न कोई ऐसी गतिविधि शुरू हो जाती है, जिससे उसकी मंशा पर संदेह होता है। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब भारत और चीन के बीच बातचीत के बाद कई सकारात्मक पहलकदमियां हुईं और शांति बहाली की उम्मीद जगी। इसके तहत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे लौटाने के कदम उठाए गए। मगर पिछले कुछ वर्षों में भारत को लेकर चीन का जैसा रुख सामने आया है, उसके मद्देजनर यह आशंका लगातार बनी हुई है कि दोनों देशों के बीच तनाव के हालात में सुधार की स्थितियां कब तक बनी रहेंगी । अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता ने बहुस्तरीय तनाव में बढ़ोतरी की है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर फिलहाल शांति को भारत राहत के रूप में देख सकता है, लेकिन अगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों की वजह से दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है, तो यह भारत के लिए भी सचेत रहने का वक्त है। शायद यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती चिंता की पृष्ठभूमि में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीन की सेना के बीच गतिरोध भले खत्म हुआ है, मगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की मंशा नहीं बदली है। उस क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य ताकत का प्रदर्शन भारत के लिए चिंता का विषय है। यह हकीकत है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन खुद को इस रूप में पेश कर रहा है, जिसमें उसे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति के तौर पर देखा - माना जाए। यह उसकी अपनी स्थितियों के अनुकूल हो सकता है, लेकिन इस क्रम में वह अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता का हनन या उनके सामने जोखिम पैदा करके करना चाहता है, तो यह हर लिहाज से गलत है। खासकर भारत को लेकर चीन का रवैया अब तक भरोसेमंद नहीं रहा है। अक्सर भारत और चीन के बीच बातचीत में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति कायम रखने और एक-दूसरे के क्षेत्र में किसी भी तरह की गतिविधियां या दखलअंदाजी न करने पर सहमति बनती है, मगर कुछ समय बाद चीन के पांव फिर बहकने लगते हैं। सवाल है कि अरुणाचल प्रदेश में उसकी गतिविधियों को किस रूप में देखा जाएगा और उसके क्या कारण हैं ? भारत अगर सीमा से संबंधित विवाद के सभी प्रश्नों का हल करना चाहता है, तो चीन को इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ शांति के लिए बनी सहमति पर अमल करना चाहिए।

गिरावट की मुद्रा

डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट से अर्थव्यवस्था को एक और झटका लगा है। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद घट कर 5.4 फीसद पर आ गया। उसमें सबसे बुरी गत विनिर्माण और आठ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की रही। थोक और खुदरा महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहा है। ऐसे में डालर के मुकाबले रुपए की कीमत अब तक के सर्वाधिक निचले स्तर 84.76 पर पहुंच जाने से स्वाभाविक ही चिंता बढ़ गई है। रुपए की कीमत गिरने का असर सीधे-सीधे आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ता है। पहले ही लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं, अब यह और बढ़ जाएगी। इसलिए कि कच्चे तेल से लेकर खाने के तेल, दवाओं के लिए कच्चा माल आदि बहुत कुछ बाहर से मंगाना पड़ता है, जिसका भुगतान डालर में करना पड़ता है। फिर विदेश यात्रा और विदेशों में पढ़ाई कर रहे छात्रों पर भी खर्च का बोझ बढ़ जाएगा। रुपए की कीमत गिरने की बड़ी वजह फिलहाल डालर के मजबूत होने और नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों को डालर का उपयोग न करने पर सौ फीसद शुल्क लगाने की चेतावनी बताई जा रही है । पर लंबे समय से रुपए की कीमत में नरमी का रुख बना हुआ है। कहा जा रहा था कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए इस नरमी को कम करने का प्रयास करती रही, मगर नाकाम साबित हुई है। इसकी एक वजह बढ़ती महंगाई है, जो रिजर्व बैंक के ऊंची रेपो दर लागू करने के बावजूद काबू में नहीं आ रही। फिर, जब से अमेरिकी डालर मजबूत होना शुरू हुआ है और ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, विदेशी निवेशकों ने भारत से अमेरिका की तरफ रुख कर लिया है। नियत में बढ़ोतरी लाना सरकार के सामने बड़ी चुनौती है। मगर फिर भी हकीकत से आंखें चुराने की कोशिश ही देखी जाती है जब केंद्र में यूपीए सरकार थी, तब भाजपा कहते न थकती थी कि रुपए की गिरती कीमत उसका इकबाल गिरने की निशानी है। मगर विचित्र है कि वह खुद इसे संभाल नहीं पा रही।

गजब का खुलासा : ट्रक मालिक ही निकला चोर, हाइवे से 52 लाख की साडिय़ों से भरा ट्रक चुराने वाले 5 शातिर पकड़े, माल बरामद



24 न्यूज अपडेट

चित्तौडगढ़। भोपालसागर स्थित हाईवे पर होटल के बाहर से 52 लाख कीमत की साडिय़ों से भरे ट्रक चोरी की वारदात का घटना के पांच ही दिन में खुलासा करते हुए जिला पुलिस ने साइबर सेल की मदद से ट्रक मालिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया 52 लाख का माल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त एक कंटेनर, दो मोटरसाईकिल एवं एक मारुती वैन को जब्त किया है। ट्रक मालिक ने ही ट्रक चालक को धोखे में रख ट्रक सहित माल को चोरी किया था। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गत 30 नवम्बर को ट्रक ड्राइवर आकोला थाने के आजनखेडा निवासी कैलाश पुत्र डालचंद ढोली ने भोपालसागर थाने पर दी लिखित रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले डेढ महीन से देवीलाल पुत्र सीताराम रेगर निवासी फतहनगर की 12 चक्का ट्रक चला रहा है। 28 नवम्बर को दिन मे आर. ट्रांसपोर्ट कम्पनी सराली रोड़ सुरत से उसके ट्रक मालिक के लडके नरेश रेगर के द्वारा 55 हजार रूपये भाडे पर साडीयों से भरकर जयपुर ट्रांसपोर्ट नगर खाली करने हेतु ट्रक में पैकिंग बोरे सोडिय़ां भरकर साथी कन्डेक्टर राहुल के साथ ट्रक को लेकर गुजरात से उदयपुर होते हुए कीर की चौकी होकर फतहनगर होते हुए मालिक नरेश रेगर के बताये अनुसार 29 नवम्बर को ट्रक को वेलकम हॉटल भूपालसागर लेकर आया। ट्रक होटल के साइड में खड़ा कर दिया और लॉक लगा कर ट्रक मालिक नरेश रेगर उसे होटल से मोटर साईकिल पर बैठाकर घर फतहनगर चला गया। 30 नवम्बर सुबह 10 बजे वह उसके मालिक नरेश रेगर के साथ मोटर साईकिल पर वेलकम हॉटल आये और देखा तो ट्रक नहीं मिला। रात को खडी की गई ट्रक व माल कोई अज्ञात चोरो द्वारा चोरी कर ले गये। ट्रक की कीमत करीब 10 लाख व ट्रक में भरा हुआ साडीयों के बोरों व अन्य सामान की कीमत 52 लाख रुपये थी । उक्त घटना पर थाना भूपालसागर पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। प्रकरण की गम्भीरता को देखतें हुए मामले में अपराधियों की तलाश कर चोरी का माल बरामद करने के लिए एएसपी सरितासिंह एवं डीएसपी कपासन हरजी लाल यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी कपासन रतनसिंह पुलिस निरिक्षक व थानाधिकारी भोपालसागर तुलसीराम उप निरीक्षक व पुलिस जाप्ता एवं जिला मुख्यालाय की साईबर सैल मे नियुक्त कानि रामावतार को नियुक्त कर एक संयुक्त टीम गठीत की गई। गठित टीम द्वारा तकनीकी रुप से अनुसंन्धान करते हुए उक्त वारदात स्थल का मौका मुआयना कर तकनीकी डाटा एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाए एवं घटना के आसपास से लेकर पुरे रूट के कैमरे के सभी सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग प्राप्त कर देख कर एवं तकनीकी डाटा का विश्लेषण कर वाहन स्वामी देवीलाल रैगर एवं नरेश रैगर निवासी फतहनगर से गहनता से तकनीकी डाटा एवं मनोवेज्ञानिक तरीके से पूछताछ की तो वाहन मालीक देवीलाल रैगर एवं नरेश रैगर द्वारा मदन लाल जटीया, मनीष रैगर, गणेश जटीया, नरपतसिह के साथ मिलकर आपराधिक षडयन्त्र रचकर उक्त वारदात को करना बताया। जिस पर उक्त सभी आरोपियों के घरों एवं संदिग्ध ठिकानों पर जगह-जगह दबीश दी गई व अलग अलग स्थानों से पांच आरोपियों को गिरफतार किये जाकर चोरी का 52 लाख का माल बरामद किया गया। आरोपीयों द्वारा माल सहीत ट्रक चोरी करने के बाद फतहनगर सर्कल में सुनसान जगह ले जाकर पहले से बनी प्लानिंग अनुसार दुसरे आरोपियों द्वारा पहले से अपने साथ तैयार रखे कन्टेनर को ले जाकर माल को चोरी गये ट्रक से कन्टेनर में लोड कर उसको चित्तौडगढ उदयपुर हाईवे स्थित भादसौडा सर्कल में हॉटल सम्राट की पार्किग में ले जाकर छुपा दिया और चोरी वाले ट्रक के नम्बर प्लेट व ट्रक पर लिखे नामों को चैन्ज कर ट्रक को टोल नाकों से बचाते हुए मध्यप्रदेश की साईड छुपाकर रखना बताया, जिसको बरामद करना शेष है। माल से भरा कन्टेनर को भादसौडा क्षेत्र में हाईवे स्थित हॉटल सम्राट से बरामद किया गया। उक्त वारदात में प्रयुक्त वाहन दो मोटरसाईकिल व एक वैन को जब्त किया गया ।

जॉन पेरी का हिंदू रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बेकुंठ धाम सोसायटी के सदस्यों ने अश्व प्रेमी फ्रांस के एक व्यक्ति का दाह संस्कार किया। सोसायटी के संस्थापक माँगी लाल सुथार ने बताया कि 73 साल के जॉन्स पेरी अक्टूबर में अपनी पत्नी के साथ घूमने आए थे। कुछ दिनों पहले उनकी तबीयत भी खराब हो गई थी। उनका हॉस्पिटल में इलाज भी करवाया लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ और उनकी मौत हो गई. सोसायटी के सदस्यों ने हिंदू रीति रिवाज के साथ आज जॉन पेरी का विधि विधान के साथ अंतिम संस्कार किया. शहर के दिनेश जैन ने बताया कि जॉन अश्व प्रेमी था और उसकी अंतिम इच्छा थी कि अगर उसकी मौत हो जाए तो उसका दाह संस्कार उदयपुर में ही किया जाये। ऐसे में बेकुंठ धाम सोसायटी के सदस्यों के साथ मिलकर आज जॉन का रानी रोड स्थित श्मशान पर हिंदू रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

मारपीट का आरोपी बजरी माफिया मुंबई में गिरफ्तार:होटल में मारपीट कर हो गया था फरार



24 न्यूज अपडेट

राजसमंद. राजसमंद में बजरी माफिया द्वारा होटल में मारपीट के मामले में रेलमगरा पुलिस ने आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया। आरोपी ने चौकड़ी गांव की होटल में मारपीट की थी।

रेलमगरा पुलिस थाना इंचार्ज प्रभु सिंह चुण्डावत के अनुसार गत 5 अक्टूबर को रेलमगरा पुलिस थाने पर डालचंद पुत्र बद्रीलाल सालवी ने गांव के पवन सिंह पुत्र गोपाल सिंह रावणा राजपूत के खिलाफ रिपोर्ट पेश कि, जिसमें बताया कि उनके द्वारा खाने के रूपए मांगने पर गोपाल सिंह द्वारा मारपीट करते हुए जातिगत अपमानित किया गया। घटना के बाद नामजद आरोपी मौके से फरार हो गया।

रेलमगरा पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पवन सिंह (25) पुत्र गोपाल सिंह निवासी चौकडी थाना रेलमगरा को मीरा रोड मुंबई से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी गिरोह बनाकर अवैध बजरी परिवहन का काम करता है। साथ ही गाव वालों धमका कर खौफ पैदा कर रखा था।

बिना नंबर की बोलेरो पिकअप से 46 कट्टों में भरा 944 किग्रा अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। पारसोली थाना पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध बडी कार्यवाही करते हुए मंगलवार को नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान एक बोलरो पिकअप से 46 कट्टों में भरा 944 किग्रा अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय राजस्थान द्वारा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी, अवैध शराब की तस्करी, अवैध खनन एवं भूमाफिया जैसे अपराधो मे लिप्त अपराधियो के विरूद्ध कार्यवाही हेतु चलाये गए विशेष अभियान अन्तर्गत एएसपी रावतभाटा भगवत सिंह व डीएसपी बेगूं अंजलि सिंह के निर्देशन में थानाधिकारी पारसोली प्रेमसिंह के नेतृत्व में एएसआई चंदनसिंह, कानि मनोज, प्रितम, जितेन्द्र व शीशराम द्वारा पारसोली थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 से बानोडा आने जाने वाले रोड पर निगरानी रखी जा रही थी। रात्री करीब 11 बजे बानोडा की तरफ से एक बिना नम्बरी बोलेरो पिकअप तेज गति से आई जिसके चालक को पिकअप को रोकने का इशारा किया तो पिकअप चालक व उसका साथी पिकअप को चालू अवस्था में छोडकर रात्री के अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पिकअप की नियमानुसार तलाशी ली गई तो पिकअप के पीछे की बॉडी में तिरपाल की आड में काले एवं सफेद रंग के कट्टे ठूंस तूंस कर भरे पाये गए। सभी कट्टो को पिकअप से नीचे उतारकर गिनती की गई तो 46 कट्टे में कुल 944 किलोग्राम अफीम डोडाचूरा मिला। उक्त अवैध अफीम डोडाचूरा एवं पिकअप को जब्त कर अज्ञात पिकअप चालक एवं उसके साथी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

पशु आहार की आड़ में तस्करी कर गुजरात ले जा रहे थे शराब, 121 पेटी पकड़ी



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। आबकारी थाना डूंगरपुर ने बोरी मोड़ पर नाकाबंदी की व इस दौरान अवैध शराब ले जा रही पिकअप को जब्त करते हुए इसके ड्राइवर को गिरफ्तार किया। आबकारी थाना डूंगरपुर ने बोरी मोड़ पर नाकाबंदी के दौरान अवैध शराब से भरी पिकअप पकड़ी है। इसमें पशु आहार की बोरियों की आड़ में 121 पेटी शराब छुपाकर रखी हई थी। पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। वह शराब की तस्करी कर गुजरात ले जा रहा था। आबकारी निरीक्षक नरेश ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत बोरी मोड पर नाकेबंदी की। डूंगरपुर की तरफ से आ रही एक गुजरात नंबर की पिकअप को रूकवाया। ड्राइवर शाहिद खान पूछताछ में घबरा गया। पिकअप में उसने पशु आहार भरा होना बताया। आबकारी विभाग की टीम ने पिकअप की तलाशी ली तो पशु आहार के बीच शराब की पेटियां मिली। शराब को ले जाने का कोई परमिट नहीं मिला। हरियाणा निर्मित अवैध शराब को तस्करी कर गुजरात ले जा रहा था। पिकअप से 121 पेटी शराब जब्त की गई।

राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने संसद में उठाया हाईवे 927ए के अधुरे पड़े मार्ग का मुददा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 4 दिसंबर। राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने बुधवार को राज्यसभा में नेशनल हाईवे संख्या 927ए के अधूरे पड़े मार्ग का मुदा उठाया। सांसद ने राज्यसभा में राजस्थान के उदयपुर संभाग में स्थित बावलवाड़ा क्षेत्र की एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 927ए के निर्माण की घोषणा उदयपुर में की थी जो स्वरूपगंज, राजस्थान से रतलाम मध्यप्रदेश तक बनाना था। अच्छी मंशा से काम भी हुआ और बासवाड़ा से खेरवाड़ा तक मार्ग बन भी चुका परन्तु खेरवाड़ा से लेकर स्वरूपगंज के बीच बावलवाड़ा गरणवास तक लगभग 45 किलोमीटर लम्बा काम अभी पूरा नही होकर अधूरा पड़ा हैं, जिसकी वजह से प्रतिदिन इस राजमार्ग पर सड़क हादसे होते रहते हैं, अब तक दुर्घटनाओं में लगभग 7 अकाल मृत्यु इस मार्ग पर हो चुकी हैं। कई सरकारी कर्मचारी, विद्यार्थी, कामकाजी मजदूर, व्यापारी, पर्यटक प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरते है जो हमेशा किसी अनहोनी की आंशका में गुजरते है। इस सबंध में गरासिया ने भारत सरकार और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 927ए पर खेरवाड़ा से लेकर स्वरूपगंज के बीच बावलवाड़ा क्षेत्र में गरणवास तक अधूरे पड़े लगभग 45 किमी मार्ग अतिशीघ्र बनवाने की मांग की है।

राइजिंग राजस्थान के तहत सलूम्बर जिले में चमकेगा निवेश का सूरज



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 4 दिसंबर। सलूंबर में जिला स्तर पर एक दिवसीय राइजिंग राजस्थान समिट का आयोजन बुधवार को लवकुश शिक्षण संस्थान सलूंबर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सलूंबर विधायक श्रीमती शांतादेवी अमृतलाल मीणा रही। अध्यक्षता संभागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी ने की। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने किया।

विधायक श्रीमती शांता देवी अमृतलाल मीणा ने इस समिट में 11 एमओयू जिला स्तर पर होने पर शुभकामनाएं दी एवं माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के विकसित राजस्थान एवं विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए राइजिंग राजस्थान के सलूम्बर समिट को मिल का पत्थर बताया। संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी ने राज्य सरकार की उद्योग संवर्द्धन एवं व्यापार संवर्द्धन की नीतियों की जानकारी देते हुए भावी निवेशकों को सलूंबर में निवेश करने पर बधाई दी।

जिला कलक्टर संधू ने राज्य सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, डॉ. भीमराव अम्बेडकर दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, एमएसएमईडी एक्ट 2019 एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं सलूम्बर जिले में सलूंबर एवं सेमारी में प्रस्तावित नवीन औद्योगिक क्षेत्रों की जानकारी दी एवं उद्यमियों को जिले में निवेश करने हेतु प्रशासन एवं अन्य विभागों के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में हिन्दुस्तान जिंक लि. के राम मुरारी ने सलूम्बर जिले में हिन्दुस्तान जिंक के भावी निवेश के बारे में अवगत कराया। श्री प्रदीप लुणावत, मार्बल उद्यमी द्वारा ऑनेक्स मार्बल पर अपने विचार रखें। डॉ. नरेन्द्र कुमार खटीक ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सलूम्बर जिले का पोस्टर का विमोचन किया गया। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र उदयपुर के महाप्रबंधक एवं विशेषाधिकारी सलूम्बर शैलेन्द्र शर्मा ने राइजिंग राजस्थान समिट के बारे में जानकारी दी एवं युवा उद्यमियों एवं निवेशकों को सलूम्बर जिले में निवेश हेतु प्रोत्साहित किया।

इस समिट में 11 निवेशकों द्वारा 195 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव लिए गए एवं 10 उद्यमियों द्वारा समिट के दौरान ही विभिनन क्षेत्रों में अपने निवेश की इच्छा जाहिर की। राइजिंग राजस्थान से सलूम्बर में अब तक 32 एमओयू किए जा चुके है, जिनमें करीब 1400 लोगों को रोजगार मिलेगा एवं 503 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। सबसे ज्यादा एमओयू शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त खनन, चिकित्सा, पर्यटन आदि के प्रस्ताव प्राप्त हुए। कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों एवं निवेशकों के साथ एमओयू एक्सचेंज किए गए एवं सलूम्बर में उद्योग, खनन, कृषि एवं पर्यटन की संभावनाओं पर एक लघु फिल्म दिखाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती राजलक्ष्मी गहलोत, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक शैलेन्द्र शर्मा, अजय कुमार पंड्या, यूनिट हेड, रीको उदयपुर, संजय नैनावटी, वरि. उप महाप्रबंधक, रीको, आरएएस प्रशिक्षु अधिकारी निलेश कलाल व परमजीत सिंह, सुशील मीणा, वरि. प्रबंधक, रीको, भगवान दास, जिला उद्योग एवं वाणिज्य अधिकारी, श्री चोखाराम, प्रिंस परमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भैंस किसकी, सबूत के लिए उसके बच्चों को थाने बुलाया:जोधपुर पुलिस के पास तीन दिन तक बंधे रहे, मां का दूध पिया तो मालिक को सौंपा



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. जोधपुर थाने में तीन दिन तक 3 भैंस बंधी रही। जब एक व्यक्ति ने ये दावा किया कि ये भैंस उसकी है तो पुलिस ने भैंस के बच्चों को थाने में लाने का कहा। मालिक ने ये शर्त भी पुलिस की मान ली और भैंस के बच्चों को लेकर थाने पहुंचा। जब इन्होंने भैंस का दूध पीना शुरू किया तो पुलिस को विश्वास हो गया कि ये भैंस दावा करने वाले व्यक्ति की है।

ये अनूठा मामला है जोधपुर कमिश्नरेट के बनाड़ थाने का। मामला 30 नवंबर का है। पुलिस ने देर रात उदयमंदिर निवासी मोहम्मद शरीफ की गाड़ी से तीन भैंसों को पकड़ा था। हालांकि इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई है लेकिन पुलिस ने भैंस मालिक को पाबंद कर भैंसों को सौंप दिया है। रात तीन बजे भैंसों को ले जा रहा था इसलिए शक हुआ

बनाड़ थाना एएसआई सुभाष विश्नोई ने बताया कि 30 नवंबर को वे बनाड़ हाईवे पर रात को टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान मोहम्मद शरीफ तीन भैंसों को गाड़ी में ले जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर उसे रोककर इन भैंसों के बारे में पूछा लेकिन वह जवाब नहीं दे पाया।

इस पर टीम तीनों भैंसों को थाने लेकर आ गई और वहां बांध दिया। मोहम्मद शरीफ को अगले दिन नाम, पते और अन्य डॉक्युमेंट लेकर अगले दिन थाने में बुलाया। दोपहर तक जब कोई नहीं आया तो पुलिस ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस वीडियो में पुलिस ने बताया कि थाने में ये तीन भैंस बंधी हुई है, जिसकी भी है वह इसे ले जाए। लेकिन, रविवार को पूरे दिन कोई भी इन भैंसों को लेने कोई नहीं आया।

जिसकी गाड़ी से पकड़ा वो ही दावा करने पहुंच गया

2 दिसंबर सोमवार को मोहम्मद शरीफ थाने पहुंचा और खुद की भैंस होने का दावा करने लगा। इस पर पुलिस को ही थोड़ा शक हुआ कि जिसकी गाड़ी से भैंस पकड़ी वह अब कैसे मालिकाना हक जता रहा है। बनाड़ थाने के सीआई प्रेमदान रतनू ने बताया कि मोहम्मद शरीफ का कहना था- उसका उदयमंदिर के गुजरावास में बाड़ा बना हुआ है। उसकी भैंस के बच्चे उसके घर पर बंधे हुए है। वह रात में अपनी भैंसों को अपने घर ले जा रहा था। सीआई ने बताया-भैंस सही मालिक तक पहुंचे इसके लिए उसे बोला गया कि इनके बच्चों को लेकर आए। सोमवार दोपहर तक मोहम्मद शरीफ भैंसों के बच्चों को लेकर थाने आया। यहां जैसे ही उसने बच्चों को छोड़ा वे अपनी मां के पास दूध पीने के लिए दौड़ गए। इस पर पुलिस को भी विश्वास हो गया कि ये भैंस मोहम्मद शरीफ की है। सीआई ने बताया कि भैंस सही मालिक तक पहुंचे ये ही उद्देश्य था। इसलिए कोई मामला भी दर्ज नहीं किया गया है।

खाद्य सुरक्षा सूची से सक्षम खुद बाहर हो जाएं, नहीं तो होगी कार्रवाई



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि विभाग द्वारा चलाये जा रहे गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा सूची से सक्षम व्यक्ति अपना नाम आगामी 31 जनवरी तक स्वेच्छा से हटा लें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इनका नाम हटाने से खाद्य सुरक्षा सूची में पात्र लाभार्थियों को जोड़ा जा सकेगा। इसकी जागरूकता के लिए राशन की दुकानों पर पोस्टर लगवाये जाए, साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया व सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। आगामी 1 जनवरी से खाद्य सुरक्षा पोर्टल शुरू होगा। गोदारा ने सचिवालय में विभाग की समीक्षा बैठक में जिला रसद अधिकारियों की बैठक में सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया का सरलीकरण करने के लिए सुझाव भी प्राप्त किये गए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा के लाभार्थियों की एलपीजी आईडी व आधार नंबर की सीडिंग तथा ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा की तथा 31 दिसंबर के पश्चात ई-के वाई सी नहीं करवाने वालों के नाम सूची से हटाने के निर्देश दिए । उन्होंने निर्देश दिए कि सप्ताह में एक दिन एलपीजी सिलेंडरों के दुरुपयोग व अवैध रिफलिंग के लिए औचक निरीक्षण कर कार्रवाई की जाए। जिससे रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में घरेलू सिलेंडरों का दुरुपयोग नहीं हो । उन्होंने राशन डीलर की मृत्यु पश्चात अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित मामलों के बारे में कहा कि इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाय। गेहूं के परिवहन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के बजाय नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिये गए । उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि र अवैध गैस रिफलिंग का कार्य करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। उन्होंने आवंटन सलाहकार समिति के सदस्यों के आईडी कार्ड जारी किए जाए, एनएफ एसए से पूर्व में जुडे रिटायर्ड सरकारी कर्मचारियों से वसूली के संबंध में उनकी पेंशन में से वसूली का प्रावधान विकसित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिलेवार प्रगति की समीक्षा की एवं कार्य करने में आने वाली व्यवहारिक समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव लिए। प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने प्रारंभ में बैठक की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए।

जोधपुर में सेना के दो हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग:आसमान में 10 चक्कर काटने के बाद स्कूल के मैदान में उतरे, लोगों की लगी भीड़



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. भारतीय सेना के हेलिकॉप्टर चेतक की शेरगढ़ (जोधपुर) के पास इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। जैसे ही लोगों ने स्कूल के मैदान में हेलिकॉप्टर को देखा तो वहां भीड़ लग गई।

मामला बुधवार दोपहर करीब 3 बजे का है। अभी भी दोनों हेलिकॉप्टर स्कूल के मैदान खड़े हैं। तकनीकी खामी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। डिफेंस पीआरओ अमिताभ शर्मा ने बताया कि अभी स्थिति कंट्रोल में है।

लोगों की भीड़ के बाद पुलिस पहुंची मौके पर

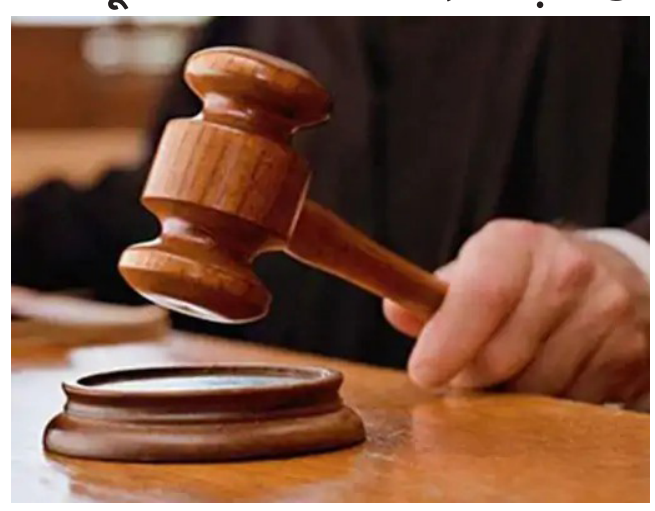
शेरगढ़ एसएचओ सवाई सिंह ने बताया कि दो चेतक हेलिकॉप्टर ने प्रैक्टिस के लिए जोधपुर आर्मी बेस कैंप से उड़ान भरी थी। दोपहर करीब 2 बजकर 45 मिनट पर शेरगढ़ गांव के ऊपर ये हेलिकॉप्टर मंडराने लगे। आसमान में इन दोनों हेलिकॉप्टर ने 10 राउंड काटे।15 मिनट बाद दोपहर 3 बजे दोनों हेलिकॉप्टर की शेरगढ़ के संस्कृत स्कूल के खेल मैदान में इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। पायलट को तकनीकी खामी नजर आई थी, जिसके बाद दोनों हेलिकॉप्टर के पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग करवाई है।

वहीं डिफेंस पीआरओ अमिताभ शर्मा ने बताया कि एहतियात के तौर पर लैंडिंग करवाई गई है। हमारी रेस्क्यू टीम पहुंच चुकी है। अभी स्थिति अंडर कंट्रोल है। सारी स्थिति सामान्य होने के बाद उड़ान भरी जाएगी।

एक घंटे बाद दोबारा लौटा दूसरा हेलिकॉप्टर

एक हेलिकॉप्टर की लैंडिंग होने के बाद पायलट ने तुरंत उड़ान भर दी। ये हेलिकॉप्टर 1 घंटे बाद शाम करीब 4 बजे दोबारा इसी मैदान में आया। बताया जा रहा है कि स्कूल मैदान में खड़े हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी थी। किसी पार्ट्स को लेकर दूसरे हेलिकॉप्टर का पायलट दोबारा यहां पहुंचा। हालांकि मौके पर मौजूद जवानों का कहना है कि यह प्रैक्टिस का हिस्सा है।

रेप पीड़िता को जान को खतरा, गर्भपात की अनुमति नहीं:हाईकोर्ट ने कहा- पीड़िताओं को अधिकार नहीं बताएं जाते, मजबूरी में बच्चे को जन्म देना पड़ता है



24 न्यूज अपडेट

हाईकोर्ट ने रेप पीड़िताओं के मामले में कहा है कि उन्हें उनके अधिकारों के बारे में नहीं बताया जाता हैं। इसके चलते उन्हें मजबूरी में बच्चे को जन्म देना पड़ता है। ऐसे में अब अदालत इस मामले में विस्तृत दिशा निर्देश जारी करेगी।

यह टिप्पणी एक नाबालिग रेप पीड़िता के गर्भपात की अपील पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने की। अदालत ने कहा कि इस मामले में नाबालिग पीड़िता 31 सप्ताह की गर्भवती है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार अगर उसे गर्भपात की अनुमति दी जाती है तो उसे और बच्चे को जान खतरा है।

ऐसे में उसकी अपील को खारिज किया जाता है लेकिन अदालत इस तरह के मामलों में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करना चाहती है। इसलिए गर्भपात के मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेकर अदालत इस मुद्दे पर सुनवाई करेगी।

24 हफ्ते से पहले कोर्ट की अनुमित जरूरी नहीं

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अदालत में गर्भपात की अनुमति के लिए बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर होती हैं। चाहे वह बालिग हो या नाबालिग। अधिकतर महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है। खासतौर पर यौन उत्पीड़न की शिकार नाबालिग बच्चियों को पुलिस और संबंधित एजेंसी उनके अधिकार के बारे में नहीं बताती हैं। जिसके चलते उन्हें ना चाहते हुए भी मजबूरी में बच्चे को जन्म देना पड़ता हैं।

अदालत ने कहा कि दी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 में साफ कहा गया है कि 24 हफ्ते की प्रेग्नेंसी से पहले गर्भपात के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बाद अदालत से अनुमति लेनी होती है।

सांसद रावत के सवाल पर आया जवाब- रेलवे में 99,809 महिला कर्मचारी जिनमें से जिनमें 2,037 लोको पायलट

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1483 का उत्तर

रेलवे में कार्यरत महिलाओं की संख्या

1483. डॉ. मन्ना लाल रावत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय रेल में महिलाओं की भी नियुक्ति की जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) रेलगाड़ियों में कितनी महिलाएं कार्यरत हैं; और

(ग) रेलगाड़ियों के संचालन में लोको पायलट के रूप में कितनी महिलाएं कार्यरत हैं और पुरुषों की तुलना में महिला लोको पायलटों का प्रतिशत कितना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) भारतीय रेलवे में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। लैंगिक भिन्नता पर ध्यान दिए बिना, निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले सभी उम्मीदवार भर्ती के लिए पात्र होते हैं। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 99,809 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 2,037 लोको पायलट हैं।

.....

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारत सरकार के रेल मंत्रालय से सांसद मन्नालाल रावत ने आज लोक सभा में अतारांकित प्रश्न सं. 1483 पूछा। पूछा गया कि क्या भारतीय रेल में महिलाओं की भी नियुक्ति की जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। रेलगाड़ियों में कितनी महिलाएं कार्यरत हैं; और रेलगाड़ियों के संचालन में लोको पायलट के रूप में कितनी महिलाएं कार्यरत हैं और पुरुषों की तुलना में महिला लोको पायलटों का प्रतिशत कितना है? सवाल के जवाब में रेलवे ने यह नहीं बताया कि पुरूषों के मुकाबले कितने प्रतिशत महिलाएं काम कर रही हैं। लेकिन सवाल से पता चला कि भारतीय रेलवे में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। लैंगिक भिन्नता पर ध्यान दिए बिना, निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले सभी उम्मीदवार भर्ती के लिए पात्र होते हैं। 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 99,809 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 2,037 लोको पायलट हैं।

आयड़ को फिर मिली काले पानी की सजा



24 न्यूज अपडेट

आयड़ नदी मर रही है। उसका दम घुटा जा रहा है। मानसून के गुजर जाने के बाद एक बार फिर यह गंदे नाले में तब्दील हो चुकी है। इस पानी में जहर है। जहरीला पानी ना सिर्फ बह रहा है बल्कि अंदर से ग्रांउड वाटर को भी प्रदूषित कर रहा है। आस पास की बस्तियों में लाइलाज और जानलेवा बीमारियों का कारण बन रहा है। इस पानी में कितने खतरनाक केमिकल मिले हैं यह किसी को नहीं पता। ना स्थानीय निकाय, ना राज्य सरकार और ना ही केंद्र सरकार को इस समस्या से कोई वास्ता है। लोकसभा में सांसद मन्नालाल रावत के एक सवाल के जवाब में जल शक्ति मंत्रालय ने दो टूक कह दिया कि उसके पास ऐसा कोई आंकड़ा नहीं है कि आयड़ नदी के पानी में प्रदूषण का स्तर कितना है। अर्थात प्रदूषण का स्तर नापेंगे ही नही ंतो उसे दूर करने के सवाल का भी जवाब नहीं देना पड़ेगा। जवाबदेही भी तय नहीं होगी। नेताओं और अफसरों को आयड़ के पानी और उसके दुष्प्रभावों को नापने व उसके निदान की दीर्घकालीन रणनीति बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी दिलचस्पी 75 करोड़ के सौंदर्यीकरण के काम में हैं जिसमें उनकी भी आर्थिक तरक्की और बरकत के रास्ते छिपे हुए हैं। जहर वाला पानी बहता रहा है और बहता रहेगा। इस नदी के गंदे पानी को छानने के लिए चार जगह पर फिल्टर प्लांट अर्थात सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए गए हैं। इनमें से दो का पानी हिन्दुस्तान जिंक ले जाता है तो बाकी दो का पानी फिल्टर करने के बाद फिर से इस गंदे पानी के साथ व्यर्थ बहा दिया जाता है। ऐसी महामूर्खता आपको दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलेगी। और ऐसी जनता भी कहीं नहीं मिलेगी जो इस महाविनाश लीला को होते हुए देख रही है। अगर पानी व्यर्थ ही बहाना है तो जनता के खून पसीने की कमाई को फूंक कर पानी को फिल्टर करने की जरूरत ही क्या है। हमारा सवाल ये है कि क्या आयड़ के पानी की नियमित जांच नहीं होनी चाहिए? क्या पानी में जहर के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए जाने चाहिए? क्या इस बात का सर्वे नहीं होना चाहिए कि ग्राउंड वाटर कितना प्रदूषित हुआ है, कौन कौनसी बीमारियां हो रही हैं?? सबसे जरूरी काम आयड़ का सौंदर्यीकरण है या फिर गंदे नालों को रोकना है?? आखिर कब तक आयड़ को इसी प्रकार से काले पानी की सजा दी जाती रहेगी। आखिर कब तक उसे दूषित पानी का दंश झेलना पड़ेगा।

कॉमर्स कॉलेज के पूर्व महासचिव ने किया सुसाइड, मौत से पहले दोस्त से की थी बात



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के कॉमर्स कॉलेज के पूर्व महासचिव विश्वजीत ने सुसाइड कर लिया। घरवाले उसके ननिहाल गए हुए थे। पुलिस के अनुसार शहर के सवीना थाना क्षेत्र के शीतल कॉलोनी स्थित तीतरड़ी में मंगलवार शाम 6 बजे विश्वजीत ने मौत को गले लगा लिया। विश्वजीत ने मरने से पहले दोस्त सन्नी पोखरना से बातचीत की थी। सन्नी ने मीडिया को बताया कि उसकी बात से ऐसा नहीं लगा रहा था कि वह सुसाइड कर लेगा। मृतक की नानी देवाली में रहती है जिनकी तबीयत खराब थी। विश्वजीत के पिता अमरजीत सिंह शक्तावत परिवार के साथ उनसे मिलने देवाली गांव गए हुए थे। शाम करीब 6 बजे विश्वजीत घरवाले जब वापस आए तो बहुत खटखटाने पर भी विश्वजीत ने दरवाजा नहीं खोला। इस पर घर वाले ने दरवाजा तोड़ दिया। बेटे को फंदे से लटकता हुए देख घरवालों के होश उड़ गए। इस पर विश्वजीत को पास के ही निजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। शव को एमबी (महाराणा भूपाल) हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया था। विश्वजीत मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के संगठक कॉमर्स कॉलेज से 2018 में महासचिव का चुनाव लड़ चुके थे। पिता अमरसिंह शक्तावत उदयपुर में ही सीए इंस्टीट्यूट में जॉब करते है। युवा मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी पोखरना ने बताया कि मंगलवार शाम को विश्वजीत सिंह से उनकी फोन पर बात हुई थी। बातों से ऐसा नहीं नहीं लगा कि वह किसी भी तरह के तनाव या परेशानी में है। रात करीब 9 बजे जब सुसाइड का पता चला तो विश्वास ही नहीं हुआ कि विश्वजीत ऐसा कर सकता है। विश्वजीत ने एक महीने पहले ही लेपर्ड आने की सूचना पुलिस को दी थी व टीम को सीसीटीवी उपलब्ध करवाए थे। उसने सुसाइड क्यों किया इसके कारणों की जांच की जा रही है।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सवीना थाना क्षेत्र में बुधवार को रेलवे ट्रैक पर रेलगाड़ी के आगे कूदकर एक युवक ने सुसाइड कर लिया। हादसे में युवक की गर्दन धड़ से अलग हो गई। राहगीरों ने जब शव को देखा तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एमबी हॉस्पिटल मोर्चरी में रखवाया गया। हादसे के पीछे पति-पत्नी के आपसी झगड़े की बात सामने आ रही है। मृतक की पहचान पुष्कर गर्ग (34) निवासी कुराबड़ के रूप में हुई है। थानाधिकारी अजयसिंह राव ने बताया कि मृतक की पत्नी द्वारा प्रताड़ित किए जाने के आरोप परिजनों की ओर से लगाए गए हैं। मगर परिजनों की ओर से लिखित रिपोर्ट नहीं मिली है। सुसाइड के कारणों की जांच की जाएगी। पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल में रखवाया है। मृतक पुष्कर गर्ग के रिश्तेदारों ने कहा कि पुष्कर को पत्नी की ओर से लगातार परेशान किया जा रहा था। पत्नी के परिवार वाले पुष्कर पर फर्जी केस करके टॉर्चर कर रहे थे। पत्नी मायके में रह रही है।

ज्वेलरी शॉप से 12 किलो चांदी, 95 ग्राम सोना चोरी



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ में सेंगवा हाउसिंग बोर्ड में ज्वेलरी शॉप में चोरों ने धमाल मचा दी। ज्वेलरी शॉप का शटर खुला हुआ देख कर सुबह सुबह पास के एक डेयरी संचालक ने दुकान मालिक को फोन किया तो चोरी का पता चला। थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका देखा। मामला सदर थाना क्षेत्र का है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों पर चोरों ने कपड़ा ढक कर वारदात को अंजाम दिया। सेंगवा हाउसिंग बोर्ड में श्री सांवरिया ज्वेलरी की दुकान पर अज्ञात बदमाशों ने शॉप के शटर का लॉक तोड़ दिया। उसके बाद वे अंदर घुस गए। दुकान के बाहर सीसीटीवी कैमरा बदमाशों ने तोड़ दिया। अंदर के 3 सीसीटीवी कैमरों पर कपड़े ढंक दिए ताकि पहचान में ना आ जाएं। दुकान से 95 ग्राम सोने के गहने और 12 किलो चांदी की ज्वेलरी चोरी कर ली। चोर अपने साथ डीवीआर भी उठा कर ले गए। बहुत कोशिशों के बाद भी तिजोरी नहीं टूटी। सुबह डेयरी संचालक करण मेनारिया ने दुकान का शटर खुला हुआ देखा। पास जाकर देखा तो लॉक टूट हुआ था वे समझ गए कि चोरी हुई है। तुरंत प्रोपराइटर विकास सोनी को सूचना दी। विकास सोनी अपने राहुल सोनी के साथ दुकान पहुंचे। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरे हुए पाए। बताया जा रहा है कि सोना चोदी सहित अन्य सामान की कुल कीमत अनुमानित 15 से 20 लाख रुपए है।

नदी के पास मिली युवक की डेडबॉडी और बाइक:एक दिन पहले घर से निकला था; निचला घंटाला गांव में मिला शव



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. बांसवाड़ा शहर के नजदीक निचला घंटाला गांव में नदी के किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। साथ ही पास में उसकी बाइक भी थी। शव गांव के ही अजय पुत्र हकरू चरपोटा का था। अजय के परिजनों ने बताया- अजय मंगलवार शाम को 7 बजे घर से निकला था, वो रात को 10 बजे तक बांसवाड़ा शहर में अपने जीजा के साथ था। उसका जीजा रात को पिकअप लेकर बांसवाड़ा से निचला घंटाला आ गए थे। अजय घर नहीं आया था। वो कहा गया वो पता नहीं आज सुबह पता चला कि उसकी लाश और बाइक मिली है। इस मामले में कोतवाली एसआई गंगाराम ने बताया- ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस जाब्ता लेकर मौके पर गए थे। जहां शव की शिनाख्त के बाद परिजनों को बुलाया गया। उनके आने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी लेकर आए और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने किसी पर कोई आशंका जताई नहीं लेकिन निष्पक्ष जांच की मांग की है। गंगाराम ने बताया- प्रथम दृष्टया मौत तो बाइक से गिरने से होना सामने आ रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद इसकी विस्तार से जांच करेंगे। गांव में लाश मिलने की सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए थे।

परीक्षा देने आया युवक ट्रेन की चपेट में आया, पत्नी 8 माह की गर्भवती

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। उदयपुर में आयोजित पशु परिचर परीक्षा परीक्षा देने आए अभ्यर्थी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बांसवाड़ा जिले के कनोला निवासी 24 वर्षीय संजय कुमार नट उदयपुर में पशु परिचर की परीक्षा देना आया था और परीक्षा खत्म होने के बाद सवीना रेलवे क्रॉसिंग से जा रहा था। तभी वहां से गुजर रही ट्रेन ने उसे चपेट में ले लिया। ट्रेन की चपेट में आने के बाद उसके दोस्त गिरीश डामोर ने उसके परिवार जनों को फोन किया और उसे अस्पताल लेकर गया। जहां चिकित्साको ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार संजय कुमार की 1 साल पहले ही शादी हुई थी। उसकी पत्नी 8 माह की गर्भवती है। सवीना थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।